बी.ए.एम.एस. द्वितीय व्यावसायिक परीक्षा-2025

विषय कोड	AyUG-RN-II	
पेपर कोड	06	
विषय	रोग निदान एवं विकृति विज्ञान	
प्रश्न पत्र	द्वितीय	
समय	03 घंटे	अधिकतम अंक : 100

नोटः- सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खंड A - बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ)

प्रत्येक 1 अंक | कुल प्रश्न: 20 × 1 = 20 अंक

1. आग्निमांद्य (Agnimandya) का मुख्य कारण है–
   A) अधिक मात्रा में स्निग्ध आहार
   B) मंद जठराग्नि
   C) पित्त विकृति
   D) रस धातु की वृद्धि
2. "भोज्यानामवरोधश्च" निम्न में से किस व्याधि का लक्षण है–
   A) श्वास
   B) हिक्का
   C) कास
   D) छर्दि
3. चरक अनुसार हलीमक में किस प्रकार का ज्वर मिलता है -
   (A) विषमज्वर
   (B) मंदज्वर
   (C) पुनरावर्तक ज्वर
   (D) तीक्ष्णज्वर
4. मरास्मस (Marasmus), क्वाशियोरकोर (Kwashiorkor) से निम्न में से किस विशेषता में भिन्न होता है?
   (A) मानसिक मंदता (Mental retardation) क्वाशियोरकोर में होती है लेकिन मरास्मस में नहीं।
   (B) वृद्धि रुक जाती है क्वाशियोरकोर में, लेकिन मरास्मस में नहीं।
   (C) पेशीय क्षय (Muscle wasting) मरास्मस में होता है लेकिन क्वाशियोरकोर में नहीं।
   (D) अवत्वचा वसा (Subcutaneous fat) मरास्मस में समाप्त हो जाती है लेकिन क्वाशियोरकोर में नहीं।
5. "अल्पसत्व" वाले व्यक्ति प्रायः किस व्याधि के प्रति सुग्राही होते हैं?
   (A) राजयक्ष्मा
   (B) कास
   (C) हिक्का
   (D) उन्माद
6. एक लिपोप्रोटीन जो कोरोनरी एथेरोस्क्लेरोसिस (Coronary Atherosclerosis) की घटना से विपरीत रूप में संबंधित होता है, वह है -
   (A) वीएलडीएल (VLDL)
   (B) आईडीएल (IDL)
   (C) एलडीएल (LDL)
   (D) एचडीएल (HDL)

7. किन व्याधियों के कारण व मूलस्थान एक ही है?

(A) हिक्का व उद्गार
(B) हिक्का व श्वास
(C) श्वास व कास
(D) हिक्का, श्वास व कास

8. "वर्तते तामसंख्येया गतिं तस्याहुरंन्तिकीम " – किस व्याधि के संदर्भ में कहा गया है?

(A) रक्तपित्त
(B) उन्माद
(C) अपस्मार
(D) राजयक्ष्मा

9. आचार्य सुश्रुतानुसार "गूढ़ोच्छश्वास" किस प्रकार की मूर्छा का लक्षण है?

(A) वातज मूर्छा (Vataja Moorchha)
(B) रक्तज मूर्छा (Raktaja Moorchha)
(C) मद्यजमूर्छा (Madyaj Moorchha)
(D) विषजन्यमूर्छा (Vishajanya Moorchha)

10. मुख में कषायता रस प्रतीति लक्षण है -

(A) हिक्का
(B) तृष्णा
(C) उदररोग
(D) वातज अरुचि

11. विशूचिका (Visuchika) रोग का प्रमुख लक्षण क्या है?

A) अत्यधिक वमन
B) हिक्का
C) शरीर में शीतलता
D) स्वरभेद

12. चरकानुसार "पार्श्वशूल" लक्षण मिलता है -

(A) क्षतज कास में
(B) क्षयज कास में
(C) राजयक्ष्मा में
(D) A व C दोनों में

13. गलगण्ड (Galaganda) में कौन-सा दोष प्रमुख है?

A) वात
B) पित्त
C) कफ
D) त्रिदोष

14. क्षयज भेद किस रोग का नहीं है-?

A) छर्दि
B) स्वरभेद
C) तृष्णा
D) कास

15. "कुक्षिरानह्यतेऽत्यर्थं प्रताम्येत् परिकूजति" - यह उक्त वाक्य निम्नलिखित में से किस रोग से संबंधित है?

(A) विलम्बिका (Vilambika)
(B) अरोचक (Arochaka)
(C) अलसक (Alasaka)
(D) विसूचिका (Visuchika)

16. *Shirasa Kandu* (शिरसा कण्डू) -निम्नलिखित में से किस ज्वर का लक्षण है?

(A) पच्यमान ज्वर (Pachyaman Jwara)
B) साम ज्वर (Sam Jwara)
(C) ज्वरमुक्तस्य (Jwara-Muktasya)
(D) वातज ज्वर (Vataj Jwara)

17. हिक्का (Hikka) रोग किस स्रोतस से सम्बन्ध रखता है?

A) अन्नवह स्रोतस
B) प्राणवह स्रोतस
C) रसवह स्रोतस
D) श्वसनीय स्रोतस

18. निम्नलिखित में से कौन-सा अम्लपित्त (Amlapitta) का प्रकार नहीं है?

(A) वातानुबन्धि (Vatānubandhi)
(B) कफवातानुबन्धि (Kaphavatānubandhi)
(C) कफानुबन्धि (Kaphānubandhi)
(D) पित्तानुबन्धि (Pittānubandhi)

19. "न चापि लभते निद्रां शयानः श्वासपीडितः" – निम्नलिखित में से किस ज्वर का लक्षण है?

(A) Tamaka Shwasa (तमक श्वास)
(B) Kshudra Shwasa (क्षुद्र श्वास)
(C) Urdhva Shwasa (ऊर्ध्व श्वास)
(D) Chhinna Shwasa (छिन्न श्वास)

20. फिरंग व्याधि (Phirang Vyadhi) को किस नाम से जाना जाता है?

(A) खुद्रत (Khudrat)
(B) कामला (Kamala)
(C) प्रवाहिका (Pravahika)
(D) गन्ध रोग (Gandharoga)

खंड B - लघु उत्तरीय प्रश्न (SAQ)

प्रत्येक 5 अंक | कुल प्रश्न: 8 × 5 = 40 अंक

1. आग्निमांद्य (Agnimandya) और अजीर्ण (Ajirna) में अंतर स्पष्ट कीजिए।
2. अतिसार (Atisara) के प्रकार एवं कारण लिखिए।
3. मूत्रकृच्छ्र (Mutrakric chra) के कारण एवं लक्षण समझाइए।
4. कास (Kasa) रोग के भेद एवं उनकी लक्षणात्मक विशेषताएं दीजिए।
5. राजयक्ष्मा (Rajayakshma) के कारण और एकादश लक्षणों को लिखिए।
6. हिक्का (Hikka) रोग में दोषों की भूमिका बताइए।
7. पाण्डु (Pandu) के उपद्रव एवं निदान को समझाइए।
8. कुष्ठ (Kushtha) के क्षुद्र प्रकारों का संक्षिप्त वर्णन करें।

खंड C - दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (LAQ)

प्रत्येक 10 अंक) | कुल प्रश्न: 4 × 10 = 40 अंक

1. ग्रहणी (Grahani) रोग का कारण, संप्राप्ति, भेद, लक्षण एवं चिकित्सा विस्तार से लिखिए।
2. आमवात (Amavata) रोग की सम्प्राप्ति, निदान और उपशय, अनुपशय समझाइए।
3. उदररोग (Udara Rog) के निदान, सम्प्राप्ति एवम प्रकारो का विस्तृत वर्णन कीजिये।
4. वातरक्त (Vatarakta) की संप्राप्ति, भेद एवं आमवात व सन्धिवात से विच्छेदक निदानो को स्पष्ट करे ।